सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 319 | जौनपुर, गुरूवार, 15 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

खटाखट स्कीम वाले फिर पिकनिक मनाने निकल गए - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1,036 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अप्रैल–मई के महीने में आपने खटाखट स्कीम के बारे में सुना होगा। लोगों से एक–एक लाख रुपए के बॉन्ड भरवाए गए थे। हर महीने 8,500 रुपए भेजने का वायदा किया गया था। लेकिन, खटाखट स्कीम वालों का देश में अता–पता नहीं है। खटाखट वाले लोग चुनाव खत्म होते ही फिर से पिकनिक मनाने के लिए निकल गए हैं। जब चुनाव का मौसम आएगा तो खटाखट वाले लोग समाज को विभाजित करने और अराजकता फैलाने के लिए फिर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब बिना किसी सिफारिश और लेन–देन के उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी प्राप्त करना संभव है। विगत साढ़े सात वर्ष से हमारी सरकार आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग द्वारा 2012 से 2017 के बीच 26,394 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संपन्न हुई थी। इसमें 13,469 पदों पर सामान्य, 6,966 पदों पर ओबीसी, 5,634 पदों पर एससी और 327 पदों पर एसटी वर्ग के युवाओं का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी का जो प्रतिशत है, वह केवल 26.38 प्रतिशत था। हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से 46,675 भर्तियां हुईं। इसमें ओबीसी के कुल 17,929 अभ्यर्थी चयनित हुए, जिनका प्रतिशत 38.41 है। उन्होंने बताया कि ओबीसी, एससी और एसटी के प्रतिशत को जोड़ लिया जाए तो डबल इंजन सरकार में 60 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुआ है। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से पूर्ववर्ती सरकार (वर्ष 2012 से 2017) के बीच कुल 19,312 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। जबकि, वर्ष 2017 से 2024 के बीच डबल इंजन सरकार में 42,409 से अधिक युवाओं को चयन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। हमारी सरकार में संविधान द्वारा निर्धारित आरक्षण की पूरी व्यवस्था का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया है। आज यह सभी युवा प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। डबल इंजन सरकार में अगर किसी ने प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो ऐसी सजा देंगे, जो देश और दुनिया के सामने नजीर बनेगी। जिन लोगों के पास कोई कार्य नहीं है, वह अफवाह फैलाकर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 536 सहायक शोध अधिकारी (सांख्यिकी), 235 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, 213 कनिष्ठ सहायक, लेखा लिपिक, मंडी पर्यवेक्षक श्रेणी–2, मंडी निरीक्षक, 15 नक्शानवीसध्मानचित्रक और 37 मानचित्रकार सहित कुल 1,036 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इन युवाओं को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पर्यावरण, वन, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, मंडी परिषद, मत्स्य विभाग, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, सहकारिता विभाग, नगर एवं ग्राम्य नियोजन, पर्यटन विभाग, लघु सिंचाई और संस्थागत वित्त में नियुक्ति मिली है।

ट्रम्प हो या कमला हर किसी के साथ काम करने को तैयार – जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ काम करने के लिए तैयार है, चाहे कोई भी पद पर हो। आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बारे में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला सुनाएगी और भारत किसी भी सरकार के साथ काम करने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त है। जयशंकर ने कहा कि आम तौर पर, हम दूसरे लोगों के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते क्योंकि हम यह भी आशा करते हैं कि दूसरे हम पर टिप्पणी न करें। लेकिन अमेरिकी व्यवस्था अपना फैसला सुनायेगी. और, मैं इसे केवल एक औपचारिकता के रूप में नहीं कह रहा हूं, बल्कि अगर आप पिछले 20 वर्षों पर नजर डालें, तो शायद हमारे लिए थोड़ा और, हमें पूरा विश्वास है कि हम यूनाइटेड के राष्ट्रपति के साथ काम करने में सक्षम होंगे। यह पूछे जाने पर कि वह वर्तमान वैश्विक स्थिति को कैसे देखते हैं, एस जयशंकर ने यूक्रेन और इजराइल में चल रहे संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुनिया एक असाधारण कठिन दौर का अनुभव कर रही है। मैं एक आशावादी व्यक्ति हूं और आम तौर पर समाधान से निकलने वाली समस्याओं के बजाय समस्याओं के समाधान के बारे में सोचता हूं।

न्यूज डायरी

उत्तर प्रदेश आईटीआई प्रवेश के प्रथम चरण का परिणाम घोषित

लखनऊ, संवाददाता। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा सत्र 2024–25 (एक वर्षीय) और सत्र 2024–26 (दो वर्षीय) के लिए प्रदेश में संचालित राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रथम चरण के चयन परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चयनित अभ्यर्थी अपने प्रवेश परिणाम की जानकारी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

राजकीय आईटीआई अलीगंज, लखनऊ के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि प्रथम चरण के प्रवेश की तिथि 10 अगस्त 2024 से 16 अगस्त 2024 तक निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थी दिए गए लिंक पर क्लिक कर अपनी पंजीकरण संख्या और जन्मतिथि दर्ज करके बुलावा पत्र का प्रिंट प्राप्त कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी चयन की सूचना दी जा रही है।

हमें भारत में बांग्लादेश जैसे हालात नहीं चाहिए – राज्यपाल

लखनऊ, संवाददाता। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी से हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी इस अभियान में शामिल हों और देश की एकता–अखंडता बनाए रखने की शपथ लें। राज्यपाल ने कहा कि हमने अभी बांग्लादेश का हाल देखा है। हमें भारत में ऐसा नहीं चाहिए। हमें अपने बच्चों को शस्त्र नहीं शास्त्र सिखाना है। हमें बच्चों को संस्कार, परंपरा पढ़ाना है। वह एकेटीयू के दीक्षांत में मेधावियों को पदक देने के बाद संबोधित कर रहीं थीं। वायनाड में हुई जान–माल की हानि का जिक्र करते हुए कहा कि हमें पर्यावरण को बचाना है। एक पेड़ मां के नाम लगाना है। हमारे सामने भी ऐसी स्थिति न पैदा हो इसके लिए अभी से चेते।

बंगाल में अपने चरम पर अराजकता, कानून–व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं

नई दिल्ली, एजेसी। कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बलात्कार–हत्याकांड मामले को लेकर देशभर में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। आज कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक महिला डॉक्टर की हत्या की केंद्रीय जांच ब्यूरो जांच का आदेश दिया है। इन सब के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में पीजी छात्रा के साथ जो घटना घटी है, वह वाकई दिल दहला देने वाली है और इसने पूरे विश्व और देश को झकझोर कर रख दिया है। मैं इसकी निंदा करता हूं और बहुत दुख व्यक्त करता हूं कि ऐसी अमानवीय घटना घटी है। राज्य की टीएमसी सरकार पर हमला करते हुए नड्डा ने कहा कि जिस तरह से यह घटना घटी और जिस तरह से सरकार ने इसे छिपाने की कोशिश की है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम होगी। उन्होंने कहा कि बंगाल एक ऐसा राज्य बन गया है जहां कानून–व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, अराजकता अपने चरम पर है और दुख की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार दिन–प्रतिदिन बढ़ रहे हैं और यह सब एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद हो रहा है, यह और भी अधिक चिंताजनक है।

देश को मजबूत करने का एक आंदोलन बन चुका हर घर तिरंगा अभियान

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा, "हर घर तिरंगा अभियान का आह्वान प्रधानमंत्री ने किया है, इसे लेकर पूरे देश में उत्साह है। उन्होंने राष्ट्र को जगाने के लिए हर तिरंगा अभियान को शुरु किया, जो देश को मजबूत करने का एक आंदोलन बन चुका है। आज तिरंगा यात्रा भारत मंडपम से निकली है। प्रधानमंत्री ने देश की भावना को हर घर राष्ट्र की भक्ति को जगाने के लिए इसका आह्वान किया है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, "भारत को एकता के सूत्र में बांधने के लिए हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया गया है। हम सब एक साथ खड़े होकर एक बार फिर संकल्प लें कि तिरंगे को झुकने नहीं देंगे। जिन्होंने देश को आजाद करने के लिए या देश को सुरक्षित रखने के लिए अपनी कुर्बानी दी है। हम उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि मां भारती के सम्मान के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे। उधर कर्नाटक के हुबली में छात्रों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। ये तिरंगा यात्रा चिन्मया महा विद्यालय से शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों की तादात में छात्र –छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा विशाल राष्ट्रीय ध्वज को शहर के मुख्य मार्गों से निकाला गया। हम भारती वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष अनवर मुल्ला ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस देश के सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने और बच्चों को उनके बलिदान के बारे में समझाने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एकमात्र कॉलेज है जो 2011 से यात्रा का आयोजन कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया ।

यूपी में जंगलराज, सरकार को करनी चाहिए आरोपियों पर कार्रवाई – अजय

नई दिल्ली, एजेंसी। कन्नौज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख और समाजवादी पार्टी के नेता नवाब सिंह यादव को

दुष्कर्म के प्रयास में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद राजनीति तेज हो गई है। इस मामले में यूपी के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कन्नौज की घटना का जिक्र करते हुए कहा," यूपी में भाजपा की सरकार है और उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। यूपी में जंगलराज कायम है और कानून–व्यवस्था ध्वस्त है। आरोपी जो भी हो, सरकार को उस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "यूपी में सरकार भेदभाव कर रही है। आज हरदोई में एक बेटी के साथ बलात्कार किया गया और फिर उसकी निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। उस मामले में भी सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, ये सरकार अपने लोगों को बचाने में जुटी हुई है। बता दें कि कन्नौज में सपा नेता और डिंपल यादव के करीबी रहे नवाब सिंह यादव को नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है।

विश्व के चौथे सबसे बड़े रिफाइनर के तौर पर ऊर्जा में आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा भारत - पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली, एजेसी। भारत मौजूदा समय में विश्व का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को ये बात कही। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में ऊर्जा की मांग 2050 तक दोगुनी होने की संभावना है। हमारा सारा ध्यान देश के मौजूदा एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर है। इस मिशन के लिए मंत्रालय की ओर से ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड के नामांकित क्षेत्रों से नए कुओं या कुओं से उत्पादित गैस के आवंटन को 20 प्रतिशत प्रीमियम (नई गैस के लिए भारतीय क्रूड बास्केट मूल्य का कुल

12 प्रतिशत) पर नोटिफाइड किया गया है जबकि, पेट्रोलियम प्लानिंग और एनालिसिस सेल (पीपीएसी) द्वारा मासिक आधार पर घोषित प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) भारतीय क्रूड बास्केट मूल्य का 10 प्रतिशत तय किया गया है। केंद्रीय मंत्री की ओर से कहा गया कि इससे कंपनियों को ऐसे नए गैस प्रोजेक्ट को विकसित करने में और चलाने में सफलता मिलेगी, जहां से गैस निकलना कठिन होता है और अधिक मात्रा में कैपिटल और टेक्नोलॉजी की आवश्यकता होती है। आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य की तरफ बढ़ते हुए देश ने रिकॉर्ड गैस उत्पादन दर्ज किया है।

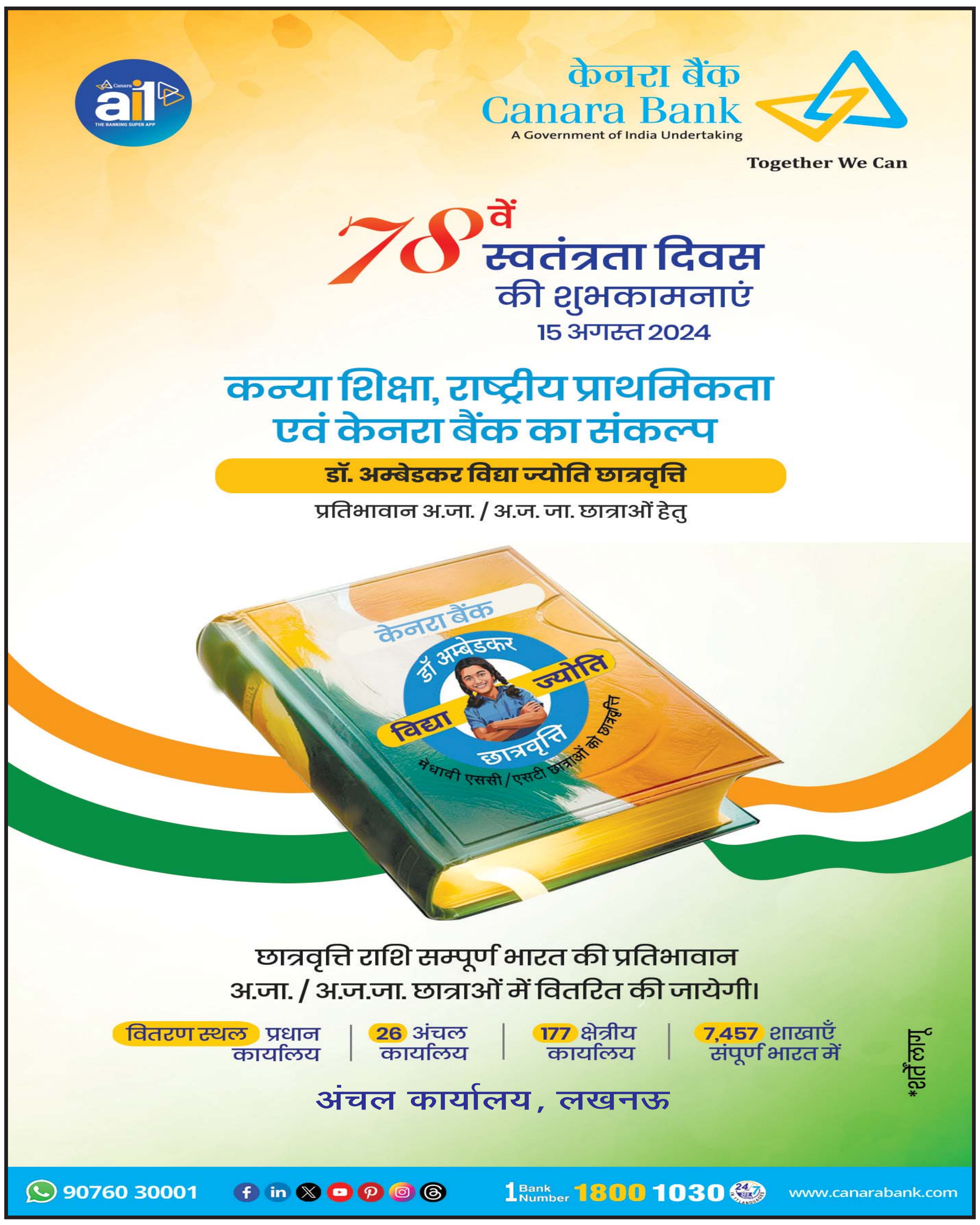

संपादकीय

बांग्लादेश हिंसा और संकट

पड़ोसी बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद हिंसक प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के बीच वहां के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, उनके धर्मस्थलों को जलाने तथा कई हिंदू नेताओं की हत्या की घटनाएं हुईं। हालांकि बाद वहां के हिंदुओं ने जिस हिम्मत और धार्मिक प्रतिबद्धता के साथ राजधानी ढाका और कई शहरों में प्रदर्शन किया और अपने मानवाधिकारों की रक्षा की गुहार करते हुए अपनी मांगें नई सरकार के सामने रखीं, उसे नई वैश्विक हिंदू चेतना के आलोक में देखा जाना चाहिए। दरअसल, इन साहसपूर्ण प्रदर्शनों का असर यह हुआ कि संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय सहित दुनिया के कई शहरों में हिंदू सड़कों पर उतरे और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए शांतिपूर्वक मांग की। दुनियाभर में संदेश गया कि हिंदू भी उतने ही पीड़ित हैं जितने कि अन्य अल्पसंख्यक समुदाय। इस वैश्विक दबाव का थोघ्ड़ा तो असर हुआ और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिंदुओं की रक्षा का वचन दिया। इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश के अंतरिम के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस को शपथ ग्रहण पर बधाई संदेश में वहां के हिंदुओं की रक्षा करने की अपील की थी।

बांग्लादेश में हिंदुओं का एकजुटहोना

बांग्लादेशी हिंदुओं का इस तरह सड़क पर आकर अपनी बात को दमदारी से रखना इसलिए भी अभूतपूर्व है, क्योंकि हिंदुओं ने सदियों से अपने धर्म और दर्शन का तो प्रसार किया, अपवाद स्वरूप सैन्य विजय भी की, लेकिन कभी अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर एक साथ आवाज बुलंद की हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। जबकि दूसरे धर्मों के अनुयायियों के साथ दुनिया के किसी कोने में भी होने वाली किसी भी ज्यादती के खिलाफ तमाम देशों में प्रदर्शन शुरू हो जाते हैं। वैश्विक भाईचारा जागने लगता है। लेकिन इस तरह जागतिक भाई चारे की गरज शायद हिंदुओं ने कभी महसूस ही नहीं की या फिर ऐसी वैश्विक एकता का अंतरराष्ट्रीय राजनीति, आर्थिकी और सामाजिकी के संदर्भ में महत्व नहीं समझा। अगर समझा भी तो कभी उस पर अमल करने की कोशिश नहीं की। व्यक्तिगत मोक्ष की कामना ही हिंदुओं का अंतिम साध्य रहा है। इसी तरह जगत कल्याण की उदात्त आकांक्षा के चलते वह अपने ही अधिकारों की सामूहिक रक्षा के आग्रह में मुश्किल से ही बदल पाता है। हिंदू धर्म की ताकतवर सहिष्णुता का शायद सबसे कमजोर पक्ष यही है कि 'जियो और जीने दो' के आग्रह में हम यह भी भूल जाते हैं कि यह थ्योरी तभी सार्थक है कि जब दूसरा भी ऐसा चाहे। मूलतरू यह सिद्धांत अति उदात्त भाव से प्रेरित होने के बाद भी एक ही हाथ से ताली बजाने की वकालत ज्यादा करता है। बहरहाल, मुद्दा बांग्लादेश में हालात और धार्मिक विद्वेष के मारे हिंदुओं का है। विडंबना यह है कि सीधे धार्मिक टकराव में तो हिंदू निशाने पर होते ही हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच सत्ता की लड़ाई का भी वो पहला शिकार होते हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तान इसके दो बड़े उदाहरण हैं। 1971 में जब बांग्लादेश के मुस्लिम बंगालियों ने पाकिस्तानी फौज के दमन के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई लड़ी, उसमें भी बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक हिंदुओं की हत्याएं हुईं, महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। जबकि उनका सत्ता की लड़ाई से कोई सीधा सरोकार न था। तत्कालीन पूर्व पाकिस्तान में बुरे हालात से जो 1 करोड़ शरणार्थी भारत आए, उनमें ज्यादातर हिंदू ही थे, जिनमें से कम ही वापस बांग्लादेश लौटे। उसके बाद बांग्लादेश बनने के बाद भी टुकड़ों में हिंदुओं का भारत आना जारी है। फर्क इतना रहा कि जिस शेख हसीना सरकार को आज बांग्लादेश में फासिस्ट और अत्याचारी सरकार करार दिया जा रहा है, उसने काफी हद तक मुस्लिम कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई हुई थी। इसी तरह पाकिस्तान में हिंदुओं की बेटियों के जबरन धर्मांतरण, धर्मस्थलों पर हमले, मूर्तियां तोड़ने और हिंदुओं को काफिर कहकर और नफरत बढ़ाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इन हालात में कुछ हिंदू भारत भी आ जाते हैं। लेकिन सब भारत आ जाएं, यह व्यावहारिक भी नहीं है। इस दृष्टि से बांग्लादेशी हिंदुओं का बड़ी तादाद में सड़कों पर उतरना वहां के नए सत्ताधीशों और कट्टरपंथियों के लिए भी चौंकाने वाला है। अमूमन घबराकर घर बार छोड़कर जाने वाली कौम अचानक पूरी ताकत से सड़कों पर कैसे उतर आई? क्योंकि आमतौर पर हिंदुओं से इस तरह के विरोध प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती। वो इकट्ठे भी होते हैं तो किन्हीं धार्मिक समागमों में। यह मान्यता आम है कि जिस तरह हिंदू सामाजिक रूप से एक नहीं होते, उसी तरह अपने व्यापक हितों और अस्मिता को लेकर कभी एक नहीं हो सकते। जातीय विभाजन उन्हें एक ईकाई की तरह कभी एक नहीं होने देगा। वो मार खाते रहेंगे और कराहते रहेंगे और मुश्किल में भगवान से रक्षा की गुहार लगाते रहेंगे। इसके विपरीत बांग्लादेश में उभरा यह एकजुट विरोध भी हिंदुओं को वास्तव में कितना एक रखेगा, अभी कहना मुश्किल है। लेकिन इस प्रतिरोध में वैश्विक हिंदू एकता का दिशादर्शक तत्व निहित हो सकता है। और यह एक अच्छा लक्षण है।

हिंदुओं को समझना होगा राजनीतिक शक्ति

हिंदुओं के इस साहस को भारत में राजनीतिक हिंदुत्व की सीमित परिभाषा से आगे जाकर समझना होगा। क्योंकि विश्वभर में हिंदू धर्म न केवल सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है।

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत– मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार–बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई

संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ–व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

आजाद भारत को नया आयाम देती तकनीक

प्रकाश

अगर पूछा जाए कि आजादी क्या है? तो शायद हो सकता है कि हर कोई इसका जवाब अपने–अपने हिसाब से दे। जेल में बंद कैदी के लिए वहां से निकलना आजादी है तो नौकरी करने वाले कर्मचारी के लिए छुट्टियों पर जाना आजादी हो सकता है। ठीक ऐसे ही भारत देश ने भी 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से आजादी पाई थी। कई सालों तक हम गुलामी की जंजीरों में रहे, लेकिन 1947 में हमें आजादी मिली। देखा जाए तो तब से लेकर अब तक देश ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा क्योंकि आज के समय में हम लगभग हर तरह से सक्षम बन चुके हैं। जैसे– तकनीक। दरअसल, अगर आप देखेंगे तो पाएंगे कि तकनीक आजाद भारत को नया आयाम देती हुई नजर आ रही है। भारत टेलीकॉम, आईटी जैसे सेक्टर में काफी आगे निकल चुका है और खासतौर पर बात अगर आईटी सेक्टर की करें तो इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत का इस क्षेत्र में दबादबा है।

यूपीआई ने बदल दिया लेन–देन का तरीका

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई जिसे नेशनल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया संचालित करती है। साल 2016 में इसकी शुरुआत हुई जिसने पैसों के लेन–देन को ऑनलाइन माध्यम से बेहद आसान बना दिया। आज आप देखेंगे तो लगभग हर दूसरा व्यक्ति यूपीआई का इस्तेमाल करता हुआ नजर आ जाएगा। जहां पहले लोग कैश से पेमेंट करते थे, वहीं आजाद भारत में यूपीआई का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है। एक रुपये की चीज लेनी हो या फिर हजारों या इससे ज्यादा की लोग ऑनलाइन पेमेंट पर भरोसा ज्यादा करते हुए नजर आते हैं। इससे कैश रखने की समस्या तो लगभग खत्म हो चुकी है क्योंकि ई–रिक्शे में कहीं जाना हो या फिर मॉल से कोई सामान खरीदना हो आप आराम से यूपीआई कर सकते हैं। यूपीआई से पेमेंट आप सिर्फ अपने देश में ही नहीं बल्कि विदेश में तक कर सकते हैं। दरअसल, भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस अब ग्लोबल होने की तरफ बढ़ चुका है। इसका जीता जागता उदाहरण है फ्रांस, सिंगापुर, यूएई, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मॉरिशस। इन देशों में आप यूपीआई सिस्टम का इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे यूपीआई भारतीय लोगों को पसंद आने लगा है इसे आप एक आंकड़े से समझ सकते हैं। दिसंबर 2023 में यूपीआई से 18.23 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लेन–देन हुआ था, जो साल 2022 की समान अवधि की तुलना से 54 फीसदी अधिक था।

लैंडलाइन से मोबाइल तक

वो समय तो आपको याद होगा जब एक कॉल करने के लिए लंबी–लंबी लाइनें लगानी पड़ती थी और कॉल का शुल्क इतना ज्यादा होता था कि हर कोई कॉल भी नहीं कर पाता था। वहीं, अगर जिसके घर में लैंडलाइन होता था उसे उस समय का अमीर व्यक्ति माना जाता था। इसके बाद आजाद भारत ने तकनीक की सीढ़ियां चढ़ी और आज हम लैंडलाइन से होते हुए मोबाइल ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन पर आ चुके हैं। भारत में मोबाइल हैंडसेट का इस्तेमाल पहली बार जुलाई 1995 में हुआ था, लेकिन मौजूदा समय में लगभग हर कोई स्मार्टफोन का इस्तेमाल करता है। इससे न सिर्फ कॉल करना आसान हो गया बल्कि, इंटरनेट की मदद से हर किसी से संपर्क करने के अलावा अन्य काम करने भी बेहद आसान हो गए।

कंप्यूटर ने बदल दिया काम करने का तरीका

आजाद भारत ने कंप्यूटर की डोर ऐसी पकड़ी की आज पूरा देश इससे कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों से लेकर बैंकिंग सिस्टम और लगभग हर एक काम कंप्यूटरध्लैपटॉप पर ही हो रहा है। भला कोई भारतीय इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट जो कि कोलकाता में स्थित है को कैसे भूल सकता है क्योंकि भारत में कंप्यूटर की शुरुआत ही यही से हुई थी। वर्ष 1955 के आखिर में इसे यहां पर लगाया गया था जो कि देश का पहला कंप्यूटर था। इसे बड़ी कामयाबी के तौर पर इसलिए भी देखा गया क्योंकि आजादी के सिर्फ 8 सालों के भीतर ही देश को उसका पहला कंप्यूटर मिल चुका था। हालांकि, उस वक्त इस कंप्यूटर को सिर्फ इंस्टूट्यूट के रिसर्चर ही इस्तेमाल करते थे। इस कंप्यूटर का नाम एचइसी–2एम था जिसे आजकल के कंप्यूटर–लैपटॉप की तरह किसी टेबल पर रखकर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता था। इसके बाद कंप्यूटर को आम आदमी की पहुंच तक पहुंचाने की जरूरत थी जिसका श्रेय उस वक्त के प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दिया जाता है। हर घर कंप्यूटर पहुंच सके इसके लिए कंप्यूटर से सरकार का नियंत्रण हटाया गया और इसके बाद पूरी तरह से एसेंबल किए हुए कंप्यूटर को देश में आयात किया गया। फिर वर्ष 1991 में तेजी आई और सरकार की मदद से प्राइवेट सेक्टर कंपनियों ने सॉफ्टवेयर डेवलप करना शुरू किया और आज हम देख सकते हैं कि लगभग सभी के पास अपना कंप्यूटर–लैपटॉप है।

ढाका गाथा– अतीत, वर्तमान और भविष्य

आदित्य

यह शेख हसीना के हाल ही में हटाए जाने के बारे में नहीं है, बल्कि कल पद्म विभूषित लौह महिला के बारे में है। बांग्लादेश में उथल–पुथल जारी है, उनके जल्दबाजी में चले जाने और 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की स्थापना के बाद, यह नई दिल्ली और ढाका के साझा इतिहास के बारे में है, और यह आज उनके संबंधों को कैसे प्रभावित करता है।यह कहानी पेचीदा, पेचीदा और विवादों से भरी हुई है, खासकर इसलिए क्योंकि यह एक हिंदू बंगाली शरणार्थी वंशज से आती है, जिसके पूर्वज ढाका से थे, जो तब भारत में था और अब बांग्लादेश की राजधानी है।1 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश भारत में जन्मे एक बांग्लादेशी वरिष्ठ नागरिक की विकसित मानसिकता पर विचार करें। अगर वह भारत में होता, तो उसका पासपोर्ट, आधार और पैन आज उसे भारतीय बताता, भले ही वह ढाका, चटगाँव या बारिसल में पैदा हुआ हो। लेकिन 14 अगस्त, 1947 को, जब वह 13 दिन का था, तो वह एक पाकिस्तानी नागरिक बन गया। मात्र 24 वर्ष बाद, 1971 में, उनकी राष्ट्रीयता फिर से बांग्लादेश के नए देश में बदल गई, जो तब धर्मनिरपेक्ष, उदार और समतावादी था, जिसका नेतृत्व बंगाल पुनर्जागरण–प्रकार के एक प्रबुद्ध व्यक्ति ने किया था, जिसने अपने दबंग, अपमानजनक सह–धर्मियों द्वारा किए गए अत्याचारों का विरोध किया था। वह नागरिक, जो भारत में जन्मा था, जो उर्दू–भाषी पाकिस्तान का नागरिक बन गया, उसे अपनी भाषाई पहचान पर आधारित देश में पहले बंगाली और फिर मुस्लिम के रूप में एक नई पहचान मिली। 1971 में बांग्लादेश दक्षिण एशिया का पहला ष्भाषाईष राष्ट्र था, पाकिस्तान और नेपाल के विपरीत, जहाँ नेपाल एक इस्लामी गणराज्य था, जबकि नेपाल एक हिंदू राजतंत्र था।हालाँकि, धर्म से भाषा में पहचान का यह परिवर्तन कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों के लिए एक परेशानी बन गया, जिन्हें बंगाली–भाषी राष्ट्र में कोई गुण नहीं दिखाई दिया। बांग्लादेश मुख्य रूप से बहुसंख्यक जो कि ज्यादातर धर्मनिरपेक्ष थे और अल्पसंख्यक धार्मिक कट्टरपंथियों के बीच इस अंतहीन संघर्ष के कारण स्थिर नहीं हो सका। पाकिस्तान की एक विशेष धार्मिक पहचान की संस्कृति राजनीतिक हाशिये पर रहने वाले बंगालियों के एक बड़े हिस्से और कुछ सेना अधिकारियों के दिमाग में घुस गई थी। इसलिए ढाका को अगस्त 1975 में शेख मुजीब की हत्या करके सत्ता हथियाने के लिए अपने वरिष्ठ पाकिस्तानी साथी की तख्तापलट की आदत का अनुकरण करने में अधिक समय नहीं लगा। तब से लेकर अब तक ढाका–दिल्ली के रिश्ते में उतार–चढ़ाव आते रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह दर्शाए कि प्यार–नफरत का यह उतार–चढ़ाव वाला भाग्य भविष्य में कुछ अलग हो सकता है। चाहे कोई इसे पसंद करे या न करे, ढाका एक जीवंत शहर है और इसलिए बंगाली भाषा के माध्यम से भारत के सबसे करीब है। यह हमेशा चिंता का विषय रहा है, यहाँ तक कि 1970–1971 में भी जब भारत ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं का समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास किया था, सभी बाधाओं को पार करते हुए और संयुक्त राज्य अमेरिका की धौंस और पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह जनरल याह्या खान और उनके गुर्गे टिक्का खान, "बांग्लादेश के कसाई" द्वारा आदेशित अत्याचारों के बीच दिल्ली और ढाका के प्रति चीन की शत्रुता को अनदेखा करते हुए। 2024 की ओर तेजी से आगे बढ़ें। कई घटनाएं सामने आती हैं, खास तौर पर कम्युनिस्ट चीन द्वारा पृष्ठभूमि में निभाई गई भूमिका। 31 अगस्त, 1975 को, बांग्लादेश की स्वतंत्र संप्रभुता को मान्यता देने वाला बीजिंग आखिरी बड़ा देश था, बांग्लादेश की छावनी में पाकिस्तानी सेना के एक जासूस द्वारा ढाका में शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के सोलह दिन बाद। इंदिरा गांधी का भारत, जो मुजीब के बेहद करीब था, स्तब्ध रह गया, जबकि इस्लामाबाद और बीजिंग दोनों ने जश्न मनाया। आज, चीन बांग्लादेश में सर्वोच्च स्थान पर है, जो सैन्य हार्डवेयर सूची, प्रशिक्षण और सिद्धांत से देखा जा सकता है, इसके रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ कर रहा है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव भी बांग्लादेश के बंदरगाहों से होकर गुजरा है, जिसमें चीनी श्रमिक भारत के रणनीतिक पड़ोसी के अंदर ष्शहरीष भूमिका निभा रहे हैं। बांग्लादेशी जल में मछली पकड़ना कम्युनिस्ट चीन की प्राथमिकता है, जिसने कभी बांग्लादेश की मुक्ति का कड़ा विरोध किया था। दूसरी ओर, पाकिस्तान को बंगालियों की चंचल और चिढ़चिढ़ाती मानसिकता के कारण चुपके से खेलना पड़ता है, मुख्य रूप से 1971 के अत्याचारों और सामूहिक हत्याओं से संबंधित। आज भारत की स्थिति क्या है? नई दिल्ली और ढाका दोनों की आंतरिक राजनीति, अपने–अपने राजनीतिक नेताओं के असंवेदनशील कथनों और कार्यों के अनुसार, एक–दूसरे के पक्ष में या विपक्ष में खेलती है। यह एक विडंबना है कि यह 1947 के भारत विभाजन की विरासत है।

सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना

प्रह्लाद

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेंजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250ध्300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व–समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है।

भाजपा की विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर गोष्ठी

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भाजपा ने मौन पदयात्रा और श्रीशचंद्र बरात घर में गोष्ठी का आयोजन कर 14 अगस्त 1947 को देश के बंटवारे के दौरान नरसंहार में विस्थापित हुए लोगों के दर्द को याद किया। गोष्ठी में जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक याद करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत–शत नमन। मुसलमानों के लिए जिन्ना द्वारा अलग देश की मांग को कांग्रेस द्वारा स्वीकार किया गया जिसका परिणाम एक अनुमान के अनुसार 10 लाख लोगों की मौत और लगभग डेढ़ करोड़ लोगों अपना घर बार छोड़ विस्थापित होना पड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के सामने भारत के इस काले अध्याय को सामने लाना आवश्यक है। स्वार्थ पूरा करने के लिए स्वतंत्रता की नीव पर देश को धर्म के आधार पर दो भागों में बांट दिया गया। जिसका खामियाजा लाखों लोगों को अपनी जान से देना पड़ा। इतनी बड़ी घटना को देश के नागरिकों से छुपाई गई। भारत आने वाले विस्थापितों ने कितनी बड़ी त्रासदी को झेला पर उस समय की कॉग्रेस सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति के चलते उनको अनाथ की तरह छोड़ दिया। देश आज भी बंटवारे का दंश झेल रहा है कभी आतंकवाद के रूप में कभी पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं बौद्धों सिखों जैनियों के विरुद्ध कट्टर पंथी मुसलमानो द्वारा नरसंहार एवं अन्य तमाम अत्याचार के रूप में। और विडंबना है कि तुष्टीकरण के सेकुलर चौंपियन मुंह पर पट्टी बांधकर बैठ जाते हैं। गोष्ठी में जिला अध्यक्ष अजीत सिंह ने कांग्रेस और गांधी परिवार को इस त्रासदी का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने गोष्ठी में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस राज काले कारनामों से भरा हुआ है। देश के बटवारे से लेकर संविधान की हत्या तक, भोपाल गैस काण्ड से लेकर बोफोर्स रक्षा सौदे तक, तुष्टीकरण की राजनीति से लेकर देश विरोधी ताकतों से हाथ मिलाने तक। कांग्रेस ने हमेशा देश के ऊपर परिवार को रखा। देश ने स्वतंत्रता का बहुत बड़ा मोल चुकाया है। गोष्टी को प्रमुख रूप से हरगोविंद सेठी जोगिंदर सिंह गांधी सुहाना जैन आदि ने संबोधित किया। संचालन संयोजक भानु सिंह ने किया। जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने विस्थापितों के परिजनों हरगोविंद सेठी, सरदार हरदयाल सिंह, जोगिंदर सिंह गांधी आदि को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया।गोष्ठी में प्रमुख रूप से विधायक आशीष सिंह आशु जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर क्षेत्रीय मंत्री राजकिशोर मौर्य पीके वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण शास्त्री राजीव रंजन मिश्रा राम बहादुर सिंह जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अशोक सिंह क्रय विक्रय संघ अध्यक्ष सुशील अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री प्रीतेश दीक्षित संदीप सिंह एसपी मौर्य जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा मंत्री अविनाश पांडे राम नंदिनी वर्मा नीतू चंद्रा मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचारमंत्री संदीप अवस्थी कार्यालय मंत्री अतुल सिंह आईटी संयोजक सौरभ सिंह सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा सह मीडिया प्रभारी सत्यम शुक्ला विपिन सिंह गौर मुकुल सिंह आशा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विश्वराज सिंह नीरज तिवारी नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय सहित नगर पदाधिकारी गण ममो महामंत्री रीना गुप्ता, अनुराधा मिश्रा शोभना सिंह मौजूद रहे।

नील गाय के हमले से घायल महिला की हुई मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद। क्षेत्र के बैजाबाद गांव में मंगलवार की शाम को खेत मे घास काटने गयी 55 वर्षीय महिला को नील गाय ने हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया।महिला को परिजन तत्काल उपचार के लिए निजी चिकित्सालय ले गए। जहां उपचार के दौरान मौत हो गयी। उसके मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

उक्त गांव निवासी 55 वर्षीय मालती देवी पत्नी मानसिंह खेत में घास काट रही थी। अचानक नील गाय महिला के ऊपर हमला कर दिया।वह महिला को मारते मारते मरणासन्न कर दिया।घटना की जानकारी होते ही महिला को परिजन उपचार के लिये निजी चिकित्सालय ले गए। जहां से उसको बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया गया।

सीएमएस के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

अयोध्या। 77 वें स्वतंत्रता दिवस पर बुधवार को जिला चिकित्सालय अयोध्या के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर उत्तम कुमार एवं अधीक्षक डॉक्टर विपिन कुमार वर्मा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकली। यह तिरंगा यात्रा जिला चिकित्सालय सीएमएस ऑफिस से निकलते हुई शहर के विभिन्न चौराहों से होते निकली।कार्यक्रम जिला चिकित्सालय के प्रबंधक राजेंद्र कुमार तिवारी के अलावा स्टाफ नर्स आई आई एम एस रोजा गांव कॉलेज के छात्र एवं छात्राएं तथा फार्मासिस्ट हनुमत दुबे,संजय गुप्ता,उपेंद्र तिवारी, सर्वेश श्रीवास्तव, संजीव गुप्ता आदि कर्मचारी तिरंगा पदयात्रा में सम्मिलित हुए।

गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के द्वारा विनीत खंड 3 ओपन जिम का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। शिव सुंदरम पार्क विनीत खंड 3 में ओपन जिम का उद्घाटन गोमती नगर जनकल्याण महासमिति सचिव सीजी नायर , विनीत खंड 3 के अध्यक्ष एके बागी बहन नंदिनी मिश्रा, मनोज कुमार मिश्र जी एवम स्थानीय लोगों के द्वारा किया गया सीजी नायर एवम एके बागी ने माननीय श्री राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री जी एवं राघवेन्द्र शुक्ल जी का धन्यवाद किया और सभी को स्वस्थ के प्रति जागरूक रहने और इस ओपन जिम का उपयोग कर स्वस्थ रहने के लिए कहा। यह ओपन जिम बहन नंदिनी मिश्रा और मनोज कुमार मिश्र के द्वारा गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के प्रयासों से माननीय श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा लगाया गया।

केंद्रीय बजट पर आयोजित संगोष्ठी पे छात्र छात्राओं ने डाला प्रकाश

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद।क्षेत्र के उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को केंद्रीय बजट पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने बजट पर अपने विचार रखे। केंद्रीय बजट पर विद्यालय के वाणिज्य तथा कला वर्ग के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।विद्यालय के प्रतिभाग करने वाले रिया यादव,अनुभव गिरी,आयुषी सिंह,निधि निगम,रुद्रप्रताप सिंह,श्वेता शुक्ला, प्रतीक सिन्हा ,रुचि यादव,श्रद्धा सिंह,परीक्षित मौर्या, तथा प्रिंस सिंह ने अपने विचारों से प्रबंधक शिवेन्द्र प्रताप सिंह,प्रधानाचार्य डॉ ब्रूनो डी नाजरेथ सहित अन्य को काफी प्रभावित किया।प्रबंधक श्री सिंह ने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने जिस प्रकार से केंद्रीय बजट पर अपने विचार को रखा वह सराहनीय है। आज के बच्चे देश के प्रति अपनी जवाबदेही खुद बना रहे हैं।यह बहुत ही अच्छा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ श्री नाजरेथ ने किया।इन छात्र छात्राओं को आज की संगोष्ठी में प्रतिभाग करने के लिए अमित पाठक,देव मिश्रा, अरनव गुप्ता,सुमा हरिकुमार, सूर्यकांत त्रिपाठी ने काफी अहम योगदान दिया।

अधिकारियों कर्मचारियों की तिरंगा यात्रा को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के अधिकारियों, अध्यापकध्अध्यापिकाओं के द्वारा मोटर साइकिलध्स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा रैली को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए रैली में सम्मिलित हुए।

तिरंगा यात्रा रैली कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू होकर शाहीपुल, चहारसू चौराहा, सद्भावना पुल, जेसीज चौराहा होते हुए पुनः कलेक्ट्रेट पहुँची। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, पी0डी0 कृष्ण करुणाकर पाण्डेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारियों व जनपद के अध्यापक और अध्यापिकाओं ने मोटर साइकिलध्स्कूटी पर तिरंगा लगाकर हेलमेट के साथ यातायात नियमों का पालन करते हुए बाइक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान हिन्दुस्तान जिन्दाबाद, इंकलाब जिन्दाबाद और भारत माता की जयकारा लगाये गये। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री के आहवाहन पर राष्ट्रीय पर्व जनपद में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरगां एक महत्वपूर्ण अभियान है, सभी लोगो को राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का अच्छा माध्यम है। जिलाधिकारी ने सभी जनपदवासियों से भी अपील की है कि अपने घर पर तिरंगा लगाते हुए उसकी सेल्फी अवश्य लें और हर घर तिरंगा कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवार चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार, शैलेन्द्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, यातायात निरीक्षक जी0डी0 शुक्ला, अधिशासी अधिकारी नगर पलिका परिषद पवन कुमार सहित अन्य अधिकारीगण तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा रैली

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' बुधवार को सवायजपुर तहसील परिसर से हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि के नेतृत्व में देश प्रेम की भावना से एक विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। एसडीएम ने रैली का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, अधिवक्ता, पुलिस कर्मी एवं तहसील कर्मचारियों आदि ने कंधे से कंधा मिलाकर रैली मुख्य मार्गों से होते हुए देश भक्ति के जयकारों के साथ तिरंगा यात्रा रैली में शामिल सभी लोग तिरंगा यात्रा का आनंद लेते नजर आए। इस दौरान सभी लोगों ने देश भक्ति के जयकारे लगाए।देश भक्ति के जयकारों की गूँज से पूरा सवायजपुर देश भक्ति से ओतप्रोत हो गया। एसडीएम सवायजपुर ने बताया कि तिरंगा रैली का उद्देश्य जन –जन में देश प्रेम की भावना जागृत करते हुए हर घर तिरंगा अभियान में सभी की सहभागिता कराना है।उन्होंने वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उन महान पुरुषों ,शहीदों की बदौलत जो आजादी मिली है,उसे हमें अक्षुण बनाये रखना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हम 140 करोड़ भारतीयों की शान है। तिरंगा यात्रा रैली में अधिवक्ता संघ के वर्तमान अध्यक्ष,पूर्व अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष उदय राज सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक, सीडीपीओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं ,तहसील कर्मचारियों सहित सैकड़ों समाजसेवियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर समस्त देशवासियों व जिले वासियों को आरटीओ विभाग की ओर से बहुत बहुत बधाई।

डाक्टर आर पी सिंह
एआरटीओ प्रशासन,
अयोध्या
मोबाइल नंबर -
94546 99990

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय श्री सतीश चन्द्र चौधरी
पूर्व जिला प्रमुख
सचिव शिवसेना अयोध्या
धाम उत्तर प्रदेश
मो 9161821043

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विनय कुमार वर्मा
(डायरेक्टर) अक्षत ग्रुप
इंफ्रा डेवलपर अयोध्या
मो - 9628090226

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमित सिंह
जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय
प्राथमिक शिक्षक संघ
जौनपुर
संयुक्त सिंह प्रधानाध्यापक
बयुआवर सिकरारा जौनपुर

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आशुतोष पटेल
अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवलपर
अयोध्या
मो- 9628000270

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन व श्री कष्ण जन्माष्टमी पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।

डा. तपन चौधरी
(जनरल फिजीशियन)
सहनवां, अयोध्या
मोबाइल नंबर -
94552 63745

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. सुधीर कुमार श्रीवास्तव
होम्योपैथिक चिकित्सक, प्रयागराज
नोट - मिलने का स्थान
1. कूरेभार सुलतानपुर, आरोग्यम क्लीनिक
2. वलीपुर सुलतानपुर - हरि सावित्री होम्योहाल
पूरे परौती लाल वलीपुर, सुलतानपुर
फोन न: 8052113086, 8546006168

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष कुमार पाडेय
उप निबंधक सदर
निबंधक कार्यालय
जौनपुर

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर समस्त देशवासियों को हमारी ओर से हार्दिक बधाई

अर्थव पैथ लैब, बहारगंज देवकाली रोड,
बेनीगंज, अयोध्या

छावनी परिषद द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई मोटर साईकिल रैली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज छावनी परिषद कार्यालय में आज 14 अगस्त 2024 को अपराह्न 1:30 बजे रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अधिशासी अधिकारी अभिषेक राठौर द्वारा किया गया। इस रैली का शुभारंभ प्रधान निदेशक रक्षा संपदा मध्य कमान भावना सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस रैली में बाइक एवं चार पहिया वाहन शामिल थे। बाइक रैली छावनी परिशद से होते हुए छावनी चिकित्सालय, सदर बाजार, नेहरू रोड, सब्जी मंडी, वाल्मीकि चौराहे से होते हुए छावनी परिषद कार्यालय में समापन किया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय के जयकारे लगाते रहे। यात्रा में एन.वी. सत्यनारायण, निदेशक डी.एन. यादव, निदेशक पुष्पेन्द्र सिंह, निदेशक, रक्षा संपदा, मध्य कमान, अभिषेक राठौर, मुख्य अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद लखनऊ, आर.पी. सिंह, उप मुख्य अधिशासी अधिकारी, सदर व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतवीर सिंह राजू छावनी परिषद लखनऊ के पूर्व उपाध्यक्ष, पूर्व सभासद तथा छावनी परिषद लखनऊ कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

एम. ए. (हिन्दी, अंग्रेजी, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र) एम. एस.-सी. (जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान)
बी. ए. (गृह विज्ञान, चित्रकला, भूगोल, इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत) बी. एस-सी. (जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित) बी. कॉम. (सभी विषय) बी. एड. (सभी विषय)
सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित
डॉ0 राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अल्लीपुर, हरदोई (उ0प्र0), सम्बद्धः लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
संस्थापक/ प्रबन्धकः- डॉ0 सुशील चन्द्र त्रिवेदी "मधुपेश" मो0-9452079330

समस्त प्रदेशवासी और जनपद वासियों को 15 अगस्त गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं
डा. जेपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्वांचल विश्व विद्यालय जौनपुर

समस्त प्रदेशवासी और जनपद वासियों को 15 अगस्त गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

रोशन श्रीवास्तव आशु लिपिक मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय, जौनपुर

पाली, शाहाबाद समेत समस्त हरदोई जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

डा. ए0 बी0 सिंह, प्रबंधक
एन एस डी ए मोंटेसरी स्कूल आजाद नगर, पाली एवं कालेज आफ फार्मेसी स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय आगमपुर शाहाबाद (हरदोई)

समस्त प्रदेशवासी और जनपद वासियों को 15 अगस्त गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार यादव
प्रोफेसर- इतिहास विभाग
गांधी स्मारक पी.जी. कालेज, समोधपुर, जौनपुर।
पूर्व समन्वयक- राष्ट्रीय सेवा योजना
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।

शहीद कर्नल हर्ष उदय सिंह गौर, शहीद मेजर पंकज पाण्डेय की प्रतिमा पर माल्यर्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद हरदोई टीम ने हर घर तिरंगा प्रोग्राम के तहेत संगठन के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह फौजी समेत संगठन के सभी पूर्व सैनिक भाइयों ने हरदोई सोलजरबोर्ड से तिरंगा रैली की शुरुआत की तदुपरांत शहीद उद्यान में अमर जवान स्तंभ पर माल्यर्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद कर्नल हर्ष उदय सिंह गौर पार्क में प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया,उसके बाद शहीद मेजर पंकज पाण्डे के घर जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यर्पण एवं पुष्पांजली की गई, फिर पूरे शहर में विशाल रैली निकाली गई,तथा हर घर मे तिरंगा फहराया, जिसमे जिले के सभी सैनिकों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया,रैली में भारत माता की जय,तथा बंदे मातरम के नारों से शहर गूंज उठा।

केनरा बैंक ने 2184 अनुसूचित जाति - जनजाति की छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ने लखनऊ स्थित अंचल कार्यालय में डॉ आंबेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत लखनऊ अंचल के 58 जिलों के 2184 अनुसूचित जाति जनजाति की छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की। जिस मौके पर अनुसूचित जाति आयोग उत्तर प्रदेश के माननीय सदस्य श्री तूफानी जी, प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन, बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ के साथ साथ केनरा बैंक के महाप्रबंधक श्री राजीव कुमार जी एवं अन्य बैंक के अधिकारीगण मौजूद रहे। केनरा बैंक अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संगठन के केंद्रीय सचिव श्री योगेंद्र कुमार, अंचल सचिव श्री जितेंद्र एवं अन्य ने भी शिरकत की।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त, 2024) के अवसर पर जौनपुर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर के नगर वासियों को हार्दिक बधाई एवं पालिका नगर वासियों निम्नलिखित अपील करती है।

1– गृहकर, जलकर व जलमूल्य का भुगतान 31 मार्च 2025 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठायें।
2– दुकानों, होटलों, रेस्टोरेन्ट, नार्सिंग होम, हास्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।
3– अपने–अपने घरों से निकलने वाले दैनिक कूड़ों को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेकें इधर–उधर तितर–वितर न करें। झाड़ू लगने के प्रश्चात कूड़ा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेकें, अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।
4– सड़क, पटरियों, नालियों व नालों पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।
5– पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।
6– जन्म–मृत्यु का पंजीकरण 30 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।
7– अपने घरो के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोडकर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाये जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।
8– नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।
9– प्रतिबन्धित पॉलिथिन, थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझा का उपयोग वर्जित है, इसका उपयोग कदापि न करे, यह गम्भीर अपराध है पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।
10– देय करों गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें
11 – डोर–टू–डोर कुडा कलेक्शन में नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।
12– शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें, इससे बीमारी फैलती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

समस्त मान्य सभासद
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

(मनोरमा मौया)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

समस्त देश तथा प्रदेश वासियों को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव (दीपक) ब्यूरो प्रमुख देश की उपासना

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आप सभी सम्मानित देश वासियों को हार्दिक बधाई।

डा. अजय तिवारी (जिला संवाददाता) अयोध्या देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र मोबाइल नंबर - 9452850744

समस्त देश तथा प्रदेश वासियों को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

डा. विकास चौधरी अधीक्षक (सी.एच.एस) वेवा चौराहा बजरंगी चौक डुमरियागंज सिद्धार्थ नगर मो0 -9627929933

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. मनीष कुमार मिश्रा मां विंध्यवासिनी मेडिकल स्टोर वेवा चौराहा (बजरंगी चौक) डुमरियागंज सिद्धार्थ नगर मो0- 9918165754

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश श्रीवास्तव (ब्यूरो चीफ अयोध्या) देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र 9454331471

समस्त जनपद वासियों को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आर 0 के0 ज्वैलर्स एवं बर्तन भंडार प्रो0 राम कुमार यादव रसूलपुर , वलीपुर सुलतानपुर

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।